



182

महान्यायालय अमान राजान मंडल जवालय
नि. प्र. क्र. ११०७ ए/१६

आवेदक - राम भरोहर

आवेदक ^{विरुद्ध} जे. ए. सोनी

आवेदक को वास्तु नि. प्र. क्र. ११०७ ए/१६ पुनः सुनवाई
पर लिये जाने वास्तु

आवेदक को न्यायालय के नियम विरुद्ध
निवेदन करता है -

(१) यह कि आवेदक का प्रकरण आज दिनांक के
अनौपचारिक न्यायालय के समक्ष विचारण हेतु
नियत था।

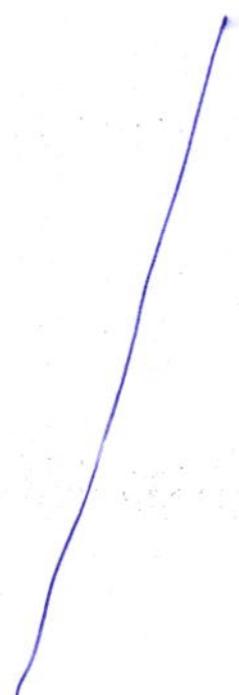
(२) यह कि आवेदक अधिवक्ता अथवा मा. उच्च
न्यायालय अदालत के समक्ष नियत प्रकरण
में वास्तु रहने के कारण नियत समय पर
न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो पाया।

(३) यह कि १.३० बजे न्यायालय के समक्ष उपस्थित
होने पर वास्तु इकाई प्रकरण अदालत परकी में
गिरस्त कर दिया गया है।

(४) यह कि आवेदक अधिवक्ता की अनुपस्थिति
पूर्वक सहायक है अतः निर्णय भी प्रकरण
की सुमावना नहीं है।

११

साल- १०१७-१७१६ (सिवासा)



२५/८/१६

कोषदार कोषदार उप.
 उन्हे वेत्ये रेशण कोषदार म
 सुणवाय्वा वनाये वाये वारुण
 सण्णवार वारुण होत ये
 मूल यकार निर-२१६७-१११५
 पुनस्थानि किय जात हे/२५
 यकार दाविल रिमडे हो

Handwritten initials

Handwritten signature and date